प्रदर्शन गाँव बड़ागाँव-शिमला में शिविर कार्यशाला का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, पंथाघाटी, शिमला द्वारा 18 अगस्त, 2022 को आदर्श गाँव, बड़ागांव, शिमला में एक शिविर का आयोजन किया गया । श्री मुकुंद मोहन शांडिल, उपप्रधान, ग्राम पंचायत - रझाणा, शिमला सहित 35 ग्रामीणों ने इस शिविर में शामिल भाग लिया । डॉ. संदीप शर्मा निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, पंथाघाटी, शिमला ने सभी उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा बताया कि रझाणा पंचायत में चारे की समस्या को ध्यान में रखते हुए संस्थान नेपियर और सीटेएरिया चारा घास की उन्नत क़िस्मों का वितरण कर रहा है, किसान लोग इन घास प्रजातियों को खेतों की मेड़ों और सामुदायिक घासनी में उगा सकते हैं । उन्होंने बताया कि उन्नत क़िस्मों की प्रजातियां, क्षेत्र में उगने वाली देसी घास की तुलना में दो-तीन गुणा अधिक उपजाऊ होती है तथा इन घास प्रजातियों के पोषक मूल्य भी काफी बेहतर हैं और किसान वर्ष में दो से तीन बार इस घास को काट सकते हैं। इसके अलावा डॉ. संदीप शर्मा ने बड़ा गाँव क्षेत्र में पशुओं में वर्तमान में तेजी से फैल रहे लम्पी स्किन रोग पर चिंता व्यक्त की और लोगों को इसके फैलने के तरीकों व इससे वचाव के महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए । उन्होने बीमार पशुओं को स्वस्थ पशुओं से अलग रखने की सलाह दी एवं मक्खी मच्छरों की रोकथाम करने की भी सलाह

दी, क्योंकि मक्खी मच्छर ही इस रोग को फैलाने में मुख्य भूमिका निभाते हैं । डॉ. जगदीश सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने बताया कि संस्थान घास की प्रजातियों के अलावा अन्य चारे के पेड़ प्रजातियों की पौधशाला/ नर्सरी भी तैयार कर रहा है तथा भविष्य में रझणा पंचायत के किसानों को उनकी मांग तथा आवश्यकता के अनुसार गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री वितरित की जाएगी । उन्होंने बताया कि यदि ग्रामीण वृक्षारोपण के लिए भूमि उपलब्ध कराते हैं तो संस्थान ग्रामीणों की चारे की आवश्यकता को पूरा करने के लिए चारा बैंक विकसित करने पर भी विचार करेगा । डॉ. जोगिंद र चौहान, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने बताया कि नर्सरी में नेपियर और सीटेएरिया को मल्टीफ्लाई किया जा रहा है और अगले साल अधिक घास वितरण के लिए उपलब्ध होगा । ग्रामीण इन उन्नत घास प्रजातियों को संस्थान की बड़ागांव नर्सरी से ले सकते हैं । श्री॰ मुकुंद मोहन शांडिल, उप प्रधान, ग्राम पंचायत, राझाना ने ग्रामीणों को घास की उन्नत क़िस्म प्रजातियों को वितरित करने के लिए संस्थान का धन्यवाद किया तथा आश्वासन दिया संस्थान द्वारा इस पंचायत की प्रगति हेतु किए जा रहे कार्यों में सहयोग करेगा । श्री॰ शांडिल, ने बताया कि चारा बैंक के विकास के लिए क्षेत्र का पता लगाने के लिए ग्रामीणों के साथ बैठक की जाएगी । श्री राकेश कुमार, वन परिक्षेत्र अधिकारी और श्री. कुलवंत राय गुलशन, सीनियर टेक्निशियन भी शिविर कार्यशाला में मौजूद रहे तथा इसके सफल आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया ।

शर्मा भोजनालय

सरकार
A 5769

शर्मा भोजनालय

Media Clips

अमर उजाला

अब पशुओं को सालभर मिलेगी हरी घास

शिमला। पशुओं के लिए अब पहाड़ी क्षेत्रों में भी साल भर हरा घास मिल सकेगा। पशु पालक खेतों में नेपियर और सीटेरिया घास को लगाकर साल में दो से तीन बार काट सकेंगे। यह घास साल भर हरी रहती है। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान ने शिमला के बड़ागांव में आयोजित शिविर में यह जानकारी दी। संस्थान के निदेशक डॉ. संदीप शर्मा ने बताया कि हरे चारे में ज्वार, बाजरा, मक्का और जंगली घास एक बेहतर विकल्प होता है लेकिन यह कुछ समय तक ही हरे रहते हैं। नेपियर घास पूरे साल भर हरी रहती है। इसका हरा चारा भी ज्वार, मक्का की अपेक्षा पशुओं के लिए स्वस्थ और बेहतर माना जाता है।

शिविर में पंचायत रझाणा के बड़ा गांव में प्रधान मुकुंद मोहन शांडिल समेत 35 लोग शिविर में शामिल हुए। मुख्य तकनीकी अधिकारी डॉ. जोगिंद्र चौहान, वन परिक्षेत्र अधिकारी राकेश कुमार, सीनियर टेक्नीशियन कुलवंत राय और गुलशन समेत अन्य लोग मौजूद रहे। संवाद

11:32

ibexnews.com/?p=

उन्नत किस्मों का चारा उगाएं अब लोग,एचएफआरआई ने किया जागरूक।

BY: ADMIN / ON: AUGUST 12, 2022 / IN: EDUCATION/शिक्षा, LATEST NEWS, हिमाचल प्रदेश / TAGGED: BREAKING NEWS, HFRI, HIMACHAL PRADESH, HIMACHAL PRADESH GOVERNMENT, HIMACHAL PRADESH LATEST, IBEX NEWS, IBEXNEWS.COM, SHIMLA, कांग्रेस, प्रतिभा सिंह, हिमाचल प्रदेश

IBEX NEWS ,शिमला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, पंथाघाटी, शिमला द्वारा 12अगस्त को आदर्श गाँव, बड़ागांव, शिमला में एक शिविर का आयोजन किया गया । मुकुंद मोहन शांडिल, उपप्रधान, ग्राम पंचायत – रझाणा, शिमला सहित 35 ग्रामीणों ने इस शिविर में शामिल भाग लिया ।

11:33

ibexnews.com/?p=

डॉ. संदीप शर्मा निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, पंथाघाटी, शिमला ने सभी उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा बताया कि रझाणा पंचायत में चारे की समस्या को ध्यान में रखते हुए संस्थान नेपियर और सीटेएरिया चारा घास की उन्नत क़िस्मों का वितरण कर रहा है, किसान लोग इन घास प्रजातियों को खेतों की मेड़ों और सामुदायिक घासनी में उगा सकते हैं । उन्होंने बताया कि उन्नत क़िस्मों की प्रजातियां, क्षेत्र में उगने वाली देसी घास की तुलना में दो-तीन गुणा अधिक उपजाऊ होती है तथा इन घास प्रजातियों के पोषक मूल्य भी काफी बेहतर हैं और किसान वर्ष में दो से तीन बार इस घास को काट सकते हैं। इसके अलावा डॉ. संदीप शर्मा ने बड़ा गाँव क्षेत्र में पशुओं में वर्तमान में तेजी से फैल रहे लम्पी स्किन रोग पर चिंता व्यक्त की और लोगों को इसके फैलने के तरीकों व इससे वचाव के महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए । उन्होने बीमार पशुओं को स्वस्थ पशुओं से अलग रखने की सलाह दी एवं मक्खी मच्छरों की रोकथाम करने की भी सलाह दी, क्योंकि मक्खी मच्छर ही इस रोग को फैलाने में मुख्य भूमिका निभाते हैं । डॉ. जगदीश सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने बताया कि संस्थान घास

11:34

फैलाने में मुख्य भूमिका निभाते हैं । डॉ. जगदीश सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने बताया कि संस्थान घास की प्रजातियों के अलावा अन्य चारे के पेड़ प्रजातियों की पौधशाला/ नर्सरी भी तैयार कर रहा है तथा भविष्य में रझणा पंचायत के किसानों को उनकी मांग तथा आवश्यकता के अनुसार गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री वितरित की जाएगी ।

उन्होंने बताया कि यदि ग्रामीण वृक्षारोपण के लिए भूमि उपलब्ध कराते हैं तो संस्थान ग्रामीणों की चारे की आवश्यकता को पूरा करने के लिए चारा बैंक विकसित करने पर भी विचार करेगा । डॉ. जोगिंदर चौहान, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने बताया कि नर्सरी में नेपियर और सीटेएरिया को मल्टीफ्लाई किया जा रहा है और अगले साल अधिक घास वितरण के लिए उपलब्ध होगा । ग्रामीण इन उन्नत घास प्रजातियों को संस्थान की बड़ागांव नर्सरी से ले सकते हैं ।

11:34

मुकुंद मोहन शांडिल, उप प्रधान, ग्राम पंचायत, राझाना ने ग्रामीणों को घास की उन्नत क़िस्म प्रजातियों को वितरित करने के लिए संस्थान का धन्यवाद किया तथा आश्वासन दिया संस्थान द्वारा इस पंचायत की प्रगति हेतु किए जा रहे कार्यों में सहयोग करेगा ।

शांडिल, ने बताया कि चारा बैंक के विकास के लिए क्षेत्र का पता लगाने के लिए ग्रामीणों के साथ बैठक की जाएगी ।

11:34

शांडिल, ने बताया कि चारा बैंक के विकास के लिए क्षेत्र का पता लगाने के लिए ग्रामीणों के साथ बैठक की जाएगी ।

राकेश कुमार, वन परिक्षेत्र अधिकारी और कुलवंत राय गुलशन, सीनियर टेक्निशियन भी शिविर कार्यशाला में मौजूद रहे तथा इसके सफल आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया ।।

Like 0

Previous Post: छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 31 अक्तूबर तक

Next Post: ट्राइबल बजट गैर क्षेत्रों पर खर्च कर रहें है मुख्यमंत्री...जगत नेगी विधायक किन्नौर। सरकार को घेरा,क्यों नहीं होती सलाहकार परिषद की बैठक।